हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 194 देहरादून, शनिवार, 21 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

जोशीमठ आपदा : श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने सीएम को सौंपा 5 लाख का चेक

3

प्रभावित परिवारों को हीटर एवं अलाव की पूरी व्यवस्था की जाए : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में जोशीमठ में चल रहे राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि भूधंसाव से प्रभावित क्षेत्र के जिन परिवारों को अन्यत्र सिफ्ट किया गया है, शीतलहर के दृष्टिगत उन सभी परिवारों को हीटर एवं अलाव की पूरी व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन को निर्देश दिये कि जोशीमठ के प्रभावित क्षेत्र के लोगों को पुनर्वास एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए कितनी धनराशि की आवश्यकता होगी, इसका गहनता से आंकलन किया जाए। जिलाधिकारी चमोली से लगातार समन्वय रखकर एवं स्थानीय लोगों के सुझावों के आधार पर सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखकर आंकलन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जोशीमठ के प्रभावित क्षेत्र से जो लोग विस्थापित होंगे, उनको स्वरोजगार से जोड़ने के लिए भी विस्तृत योजना बनाई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि जो लोग विस्थापित होंगे, उनकी आजीविका प्रभावित न हो। इसके लिए अभी से योजना बनाकर आगे कार्य करें। जिन स्थानों पर प्रभावितों को विस्थापित किया जायेगा, उनको सरकार द्वारा हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं भी निकट हैं, प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाई एवं परीक्षा देने में किसी भी प्रकार से परेशानी न हो, इसके लिए भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा एवं एस.एन. पाण्डेय उपस्थित थे।

जोशीमठ में विभिन्न तकनीकी संस्थानों द्वारा सर्वेक्षण कार्य निरन्तर जारी : डा0 रंजीत कुमार सिन्हा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 जनवरी। सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने जोशीमठ नगर क्षेत्र में हो रहे भू-धंसाव एवं भूस्खलन के उपरान्त राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे राहत व बचाव तथा स्थायी/अस्थायी पुनर्वास आदि से सम्बन्धित किये जा रहे कार्यो की मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जोशीमठ में अग्रिम राहत के तौर पर 3.27 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि 218 प्रभावित परिवारों को वितरित की गई है। इसके अतिरिक्त प्रभावित 08 किरायेदारों को भी 50 हजार रूपये प्रति परिवार के हिसाब से 04 लाख रूपये की धनराशि तत्काल सहायता के रूप में आवंटित की गयी है। जोशीमठ के नगर पालिका क्षेत्र में 18 प्रसूता महिलाएँ है, जो वर्तमान में राहत शिविरों में नहीं है। यह प्रसूता महिलाएँ स्वयं के आवासों में रह रही हैं। जिनका निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। राहत शिविरों में 10 वर्ष से कम आयु के 81 बच्चे हैं, जिनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। डा0 सिन्हा ने बताया कि जोशीमठ में विभिन्न तकनीकी संस्थानों द्वारा किये जा रहे सर्वेक्षण एवं अध्ययन कार्य निरन्तर जारी है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पुनः जोशीमठ के आपदा प्रबन्धन कार्यों के सम्बन्ध में बैठक ली।

सचिव आपदा प्रबन्धन ने जानकारी दी कि जोशीमठ में पानी का डिस्चार्ज 250 एल.पी.एम है। अस्थायी रूप से चिन्हित राहत शिविरों में जोशीमठ में कुल

650 कक्ष हैं जिनकी क्षमता 2919 लोगों की है तथा पीपलकोटी में 491 कक्ष हैं जिनकी क्षमता 2205 लोगों की है। जोशीमठ में राहत शिविरों में कक्षों की संख्या 615 से बढ़ाकर 650 कर दी गई है। अभी तक 863 भवनों में दरारें दृष्टिगत हुई है। सर्वेक्षण का कार्य गतिमान है। उन्होनें जानकारी दी कि गांधीनगर में 01, सिंहधार में 02, मनोहरबाग में 05, सुनील में 07 क्षेत्र / वार्ड असुरक्षित घोषित किए गए हैं। 181 भवन असुरक्षित क्षेत्र में स्थित है। 269 परिवार सुरक्षा के दृष्टिगत अस्थायी रूप से विस्थापित किये गये हैं। विस्थापित परिवार के सदस्यों की संख्या 900 है।

इस दौरान अपर सचिव आपदा प्रबन्धन, निदेशक उत्तराखण्ड भूस्खलन प्रबन्धन एवं न्यूनीकरण संस्थान, निदेशक वाडिया संस्थान, निदेशक आईआईआरएस देहरादून, निदेशक एनआईएच तथा निदेशक आईआईटीआर उपस्थित थे।

उत्तराखंड में 24 से 27 जनवरी को मौसम विभाग का ऑरेंज अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , राज्य मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तराखंड में 24 जनवरी से 27 जनवरी को उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना है.राज्य मौसम केंद्र ने बताया कि, 24 और 25 जनवरी को उत्तरकाशी , चमोली, पिथौरागढ़, देहरादून, टिहरी,रुद्रप्रयाग और बागेश्वर में भारी बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट है.

जोशीमठ में असुरक्षित घोषित एक और भवन तोड़ने का आदेश जारी कर दिया गया है. यह भवन जोशीमठ नगर पालिका के वार्ड नंबर-7 के दिनेश लाल का है जिन्होंने भूधंसाव के कारण असुरक्षित हो गए अपने मकान के ध्वस्तीकरण के लिए लिखित सहमति दे दी थी. इससे पहले, असुरक्षित घोषित दो होटलों, दो निजी भवनों तथा लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले को नोडल एजेंसी केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान की तकनीकी निगरानी में वैज्ञानिक तरीके से तोड़े जाने की कार्रवाई चल रही है.

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जोशीमठ में भूधंसाव के कारणों को लेकर सभी तकनीकी संस्थानों की रिपोर्ट आते ही आगे की योजना पर तेजी से कार्य किया जाएगा. इसके अलावा विस्थापन के संबंध में चमोली के जिलाधिकारी हिमांशु खुराना को जोशीमठ के लोगों से सुझाव लेकर जल्द सरकार को रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया है.जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव की बात करें तो अब तक यहां 258 परिवार सुरक्षा को देखते हुए अस्थायी रूप से विस्थापित किये गये हैं जिनके सदस्यों की संख्या 865 है. जोशीमठ में बुधवार को लोकनिर्माण विभाग के डाक बंगले के साथ दो निजी भवनों को तोड़े जाने के आदेश जिलाधिकारी ने दे दिए.

चमोली के 47 गांव बर्फ से ढके गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 जनवरी। उत्तराखंड में शुक्रवार को हुई बर्फबारी के बाद व्हाइट कर्फ्यू लग गया है। पहाड़ों में सफर खतरों से भरा हो गया है। एक तरफ जहां गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे बंद हैं तो वहीं, चमोली जिले के 47 गांव बर्फ से ढक गए हैं।

बृहस्पतिवार रात को मौसम के करवट बदलते ही गंगोत्री व यमुनोत्री धाम सहित जनपद के ऊंचाई वाले इलाकों में एक बार फिर से बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है जबकि निचले इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। वहीं ताजा बर्फबारी के कारण गंगोत्री व यमुनोत्री हाईवे पर यातायात बाधित हो गया है।

उधर, चमोली बर्फ से चमोली जिले में चमोली-मंडल-चोपता हाईवे कांचुलाखर्क से चोपता तक बर्फ से ढक गया है, जिससे यहां वाहनों की आवाजाही भी बाधित हो गई है। मंडल में केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग की नर्सरी तक बर्फ जम गई है।

घाट- ल्वाणी- रामणी मोटर मार्ग पर भी जगह-जगह बर्फ जमने से वाहनों की आवाजाही मुश्किल से हो पा रही है। मौसम में आए बदलाव से गंगोत्री व यमुनोत्री धाम सहित हर्षिल, सुक्की, जानकीचट्टी, खरसाली आदि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का सिलसिला दोबारा शुरू हो गया है।

अजब-गजब : इंसानों को मरने के बाद जिंदा कर करेगी ये कंपनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , आधुनिक युग साइंस का है. कई अद्भुत आविष्कारों ने हमें हैरान कर दिया. लेकिन, अभी तक इंसान को जिंदा करने की कोई भी तकनीक नहीं आ सकी. जबकि कुदरत का दस्तूर है कि हर इंसान को मरना है.लेकिन एक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी ने दावा किया है कि वो इंसानों को मरने के बाद जिंदा कर देगी. कंपनी का कहना है कि इसके लिए इंसानों की लाश को बर्फ के अंदर दफन करना पड़ेगा.

लाश को बर्फ में दफन करेगी कंपनी

डेली मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की सदर्न क्रायोनिक्स (Southern Cryonics) कंपनी का हेड क्वार्टर सिडनी में है. कंपनी ने होलब्रुक में अपनी हाइटेक फैसिलिटी को सेटअप किया है. जहां कंपनी दावे के मुताबिक इंसान के शव को -200 डिग्री सेल्सियस तापमान में दफन करेगी. अगर भविष्य में इंसान को

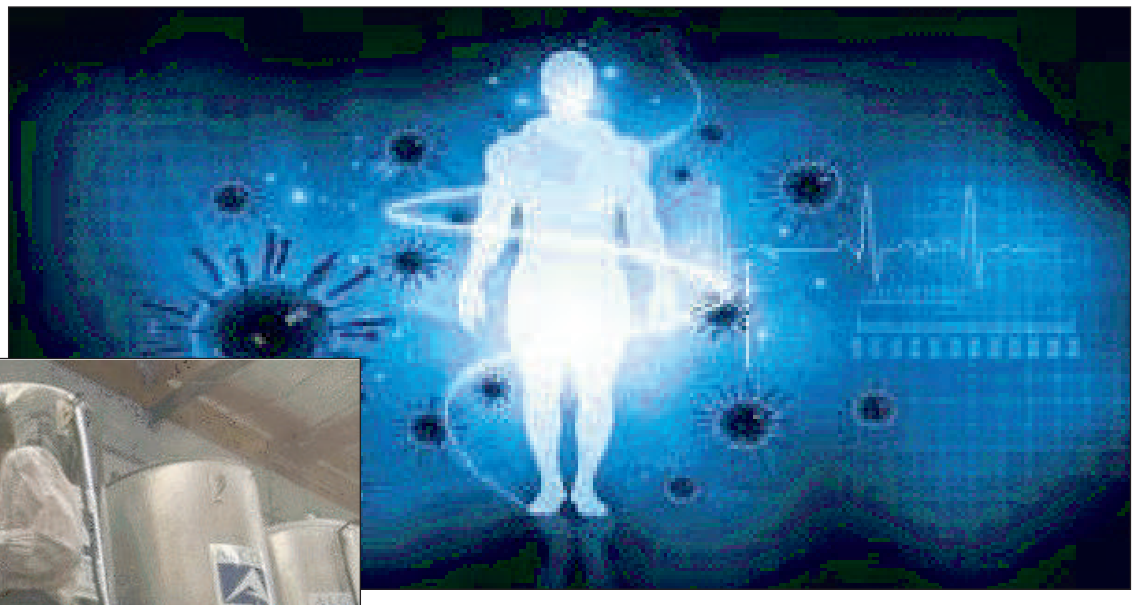

जिंदा करने की वैज्ञानिक खोज करता है तब दफन लाशों को निकालकर जिंदा किया जा सकता है. ऐसा कंपनी का दावा है.

मुर्दा को जिंदा करने की अनोखी तकनीक का दावा

इसके लिए कंपनी अपने ग्राहकों से 1 करोड़ से अधिक का चार्ज करेगी. इंसान के लाश को लिक्विड नाइट्रोजन में -200 डिग्री सेल्सियस टेंपरेचर में एक स्टील के चैम्बर में दफन किया जाएगा. इसमें शरीर को उल्टा यानी पैर ऊपर सिर नीचे करके डाला जाएगा. जिससे चैम्बर के लीक होने पर ब्रेन के बचने का चांस बना रहे. रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के पास अभी 40 लोगों के शव को बर्फ में दफनाने की जगह है. आगे कंपनी के नए वेयरहाउस बनाए जाएंगे. इसमें 600 लोगों के रखने की व्यवस्था की जाएगी. कंपनी के इस प्रोजेक्ट को साइंस में क्रायोनिक्स कहते हैं. जिसमें अगर मृत शरीर को जल्दी जमा दिया जाए तो मौत से पलटा जा सकता है.

क्या आप जानते हैं मिलियन बिलियन ट्रिलियन का मतलब?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , आपने देखा और सुना भी होगा कि YouTube पर किसी चैनल के 100K, 1 मिलियन या 10 मिलियन सब्सक्राइबर हो गए हैं। या जब हम दुनिया के सबसे अमीर लोग के बारे में सुनते हैं जैसे जेफ्फ बेजोस 100 मिलियन डॉलर के मालिक हो गए अंबानी इतने बिलियन डॉलर के मालिक बन गए । इस बिंदु पर हमें केवल एक ही सवाल सताता है कि K, million, billion और trillion? क्या है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको 100 K, 100 मिलियन, 1 बिलियन 3 ट्रिलियन डॉलर पढ़ने को मिलते हैं। इनकी भारतीय रुपये में कुल राशि क्या होती है ?

100 k क्या है? -100 k बराबर कितना होता है? 10 मिलियन को भारतीय रुपये में बदलने में कितना खर्च आता है?

2) 1 बिलियन डॉलर को कितने भारतीय रुपये में बदला जाता है?

3) 1 ट्रिलियन डॉलर को कितने भारतीय रुपये में बदला जाता है?

यह हम में से अधिकांश लोग नहीं जानते हैं और ऐसे समय में हम इन शब्दों का अर्थ जानने के लिए इंटरनेट पर search करते हैं लेकिन वहां भी हमें कुछ संतोषजनक उत्तर नहीं मिलता है।लेकिन आप बिलकुल चिंता न करें, आज के लेख में K, million, billion और trillion का मतलब क्या होता है? आदि हम सब कुछ विस्तार से जानेंगे।जैसा कि हम सभी जानते हैं कि हम एक हजार (1000)की राशि पर तीन जीरो लगाते हैं इसी तरह इस एक हजार को 1K भी कहते हैं। और जब हम कहीं 10 K पढ़ते हैं, तो उसका अर्थ 10 हजार होता है। जब हम 50K पढ़ते हैं, तो इसका मतलब 50 हजार होता है और जब हम 100K पढ़ते हैं, तो इसका मतलब 1 लाख होता है।

1K = 1 हजार – 10 K = 10 हजार2K = 2 हजार – 20K = 20 हजार 3K = 3 हजार – 30K = 30 हजार4K = 4 हजार-40K = 40 हजार5K = 5K – 50K = 50K60K = 60 हजार- 200K = 2 लाख70K = 70 हजार- 300K = 3 लाख80 K = 80 हजार – 400 के = 4 लाख90 K = 90 हजार – 500 के = 5 लाख100K = 1 लाख – 200K = 2 लाख

जैसा कि हमने ऊपर देखा, एक हजार में तीन शून्य लगते हैं लेकिन जब हम उन्हीं तीन शून्यों में तीन और शून्य जोड़ते हैं, यानी छह शून्य, तो वही संख्या एक मिलियन हो जाती है। और 1 मिलियन का मतलब 10 लाख और 10 मिलियन का मतलब 1करोड़ होता है।

आइये जानते हैं Million Billion , Trillion ka Matlab kya hota hai । 1 मिलियन में 10 लाख और 1 बिलियन में एक अरब, 1 ट्रिलियन में 10 खरब होते हैं ।

1 मिलियन = 10 लाख 10 मिलियन = 1करोड़ 2 मिलियन = 20 लाख । 20 मिलियन = 2 करोड़3 मिलियन = 30 लाख । 30 मिलियन = 3 करोड़4 मिलियन = 40 लाख । 40 मिलियन = 4 करोड़5 मिलियन = 50 लाख । 50 मिलियन 5 करोड़100 मिलियन = 10 करोड़ 500 मिलियन = 50 करोड़

मिलियन डॉलर को भारतीय रुपये में बदलने के कुछ उदाहरण यहां दिए गए हैं:

1 मिलियन अमरीकी डालर -भारतीय रुपए = 7,80,15,700.005 मिलियन अमरीकी डालर -भारतीय रुपए = 39,00,83,500.0010 मिलियन अमरीकी डालर -भारतीय रुपए = 78,01,67,000.0015 मिलियन अमरीकी डालर -भारतीय रुपए = 1,17,02,50,500.00

जैसा कि हमने ऊपर सीखा है, इसमें एक हजार के ऊपर तीन शून्य लगते हैं और जब हम इसमें तीन और शून्य जोड़ते हैं, यानी जब कुल छह शून्य हो जाता है, तो वह संख्या एक मिलियन हो जाती है। लेकिन जब हम उसी छह शून्य में तीन शून्य के साथ समाप्त होते हैं, यानी कुल नौ शून्य, वह संख्या एक अरब हो जाती है। एक अरब एक सौ करोड़ है।

1 Billion = 1000 Million (100 करोड़) है2 Billion = 2000 Million (200 करोड़)3 Billion = 3000 Million (300 करोड़)10 अरब = 1000 करोड़

जैसा कि हमने ऊपर देखा, नौ शून्य एक अरब होता हैं। लेकिन जब हम उन्हीं नौ शून्यों में तीन और शून्य जोड़ते हैं, यानी जब हम एक में बारह शून्य जोड़ते हैं, तो वही संख्या खरबों हो जाती है।1 ट्रिलियन = 1000 बिलियन2 ट्रिलियन = 2000 बिलियन3 ट्रिलियन = 3000 बिलियन5 ट्रिलियन = 5000 बिलियन1 ट्रिलियन अमरीकी डालर भारतीय रुपये = 7,80,08,20,00,00,000.00

हमने प्रत्येक स्थान में तीन शून्य जोड़े हैं।लेकिन भारतीय मतगणना में बाईं ओर पहले तीन अंकों के बाद हजारों, लाख, करोड़, अरब आदि में अल्पविराम लगाया जाता है। फिर प्रत्येक दो अंकों के बाद अल्पविराम जोड़ा जाता है जिससे आपके लिए गिनती करना आसान हो जाता है। तो देखा गणित का ये कन्फ्यूज़ करने वाला ज्ञान आपको कैसे न्यूज़ वायरस टीम ने इस खबर में समझा दिया है। उम्मीद है आपको हमारा ये ज्ञान पसंद भी आया होगा।

जोशीमठ आपदा : श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने सीएम को सौंपा 5 लाख का चेक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 जनवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने भेंट की। उन्होंने जोशीमठ में भूधंसाव क्षेत्र में प्रभावितों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 05 लाख रुपए का चेक मुख्यमंत्री को सौंपा। यह धनराशि श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष किशोर पंवार के एक माह के वेतन तथा अधिकारियों व कर्मचारियों के एक दिन के वेतन से दी गई। इस अवसर पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

अब होमगाड्र्स को ड्यूटी के दौरान घायल/बीमार होने पर मिलेगा ड्यूटी भत्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जनवरी , होमगाड्र्स स्थापना दिवस-2022 के अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने होमगाड्र्स को भी ड्यूटी के दौरान घायल/बीमार होने पर ड्यूटी भत्ता दिये जाने का शासनादेश दिया है। पुलिस महानिरीक्षक/कमाण्डेन्ट जनरल होमगाड्र्स केवल खुराना ने बताया कि पूर्व में होमगाड्र्स के ड्यूटी के दौरान घायल/बीमार होने पर सम्बन्धित होमगाड्र्स को किसी प्रकार का कोई भी ड्यूटी भत्ता नही दिया जा रहा था। जिससे होमगाड्र्स की आर्थिक स्थिती कमजोर हो जाती थी तथा मेहनती एवं कर्मठ होमगाड्र्स की कार्यक्षमता प्रभावित होती थी। जिसको सबल बनाये जाने हेतु उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से होमगाड्र्स स्वयंसेवको के ड्यूटी के दौरान घायल/बीमार होने के परिणामस्वरूप अस्पताल में भर्ती होने तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी/चिकित्सा अधीक्षक द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने तक की अवधि (जो पूर्ण सेवाकाल में 06 माह से अधिक नहीं होगी) पर ड्यूटी पर मानते हुए ड्यूटी भत्ता अनुमन्य किया गया है।

कमाण्डेन्ट जनरल होमगाड्र्स द्वारा होमगाड्र्स मुख्यालय से पत्र जारी करते

हुए समस्त जनपदो के जिला कमाण्डेन्ट होमगाड्र्स को आदेशित किया है कि इस शासनादेश के सम्बन्ध में समस्त होमगाड्र्स को अवगत कराया जाए। इस शासनादेश के जारी होने से होमगाड्र्स में खुशी की लहर है। पुलिस महानिरीक्षक/कमाण्डेन्ट जनरल होमगाड्र्स केवल खुराना ने यह भी बताया कि भविष्य में होमगाड्र्स के उत्थान हेतु कई अन्य कल्याणकारी कार्य किये जायेगे। जिससे होमगाड्र्स के मनोबल में और अधिक वृद्वि होगी एवं होमगाड्र्स उच्च मनोबल के साथ पुलिस/प्रशासन के साथ ड्यूटी करेंगें तथा उत्तराखण्ड राज्य में होमगाड्र्स की कार्य क्षमता में मजबूती प्रदान किये जाने हेतु उक्त कदम एक मील का पत्थर साबित होगा।

सफलता के लिए संयम, नियम और अनुशासित जीवन जरूरी : डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 20 जनवरी । ऋषिकेश में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने छात्रों के लिए परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम बेहद उपयोगी बताया। मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि सफलता के लिए संयम, नियम और अनुशासित जीवन जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर देशभर के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए परीक्षा पर चर्चा की जा रही है। डॉ अग्रवाल कहा कि बच्चों की परीक्षाएं आने वाली हैं और उनके साथ इस विषय पर संवाद करना भी एक सुखद अनुभव है। इससे उन्हें अपने स्कूल के दिनों का भी स्मरण करने का अवसर मिला है।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि परीक्षाओं में थोड़ा तनाव होना स्वाभाविक बात है, परन्तु जब यह तनाव बहुत अधिक बढ़ जाता है तो न केवल परीक्षा के परिणाम में इसका विपरीत असर पड़ता है बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा ने बताया कि भाजपा ऋषिकेश जिला के अंतर्गत विद्यालयों के 9वीं, 10वीं कक्षा को जूनियर जबकि 11वीं और 12वीं को सीनियर वर्ग में रखा गया है। बताया कि जूनियर वर्ग को स्वच्छता, जीव जंतु संरक्षण आर्ट प्रतियोगिता और सीनियर वर्ग को जलवायु आर्ट प्रतियोगिता विषय दिया गया है। उन्होंने बताया कि 27 जनवरी को ऋषिकेश में आवास विकास स्थित सरस्वती विद्या मंदिर जबकि डोईवाला में आशीर्वाद वाटिका में प्रधानमंत्री के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को देखा व सुना जाएगा। इसके बाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार स्थानीय सांसद व विधायक द्वारा दिया जाएगा।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा, जिला महामंत्री राजेन्द्र तड़ियाल, दीपक धमीजा, जिला उपाध्यक्ष दिनेश सती, मनोज ध्यानी, मण्डल अध्यक्ष ऋषिकेश सुमित पंवार, युवा मोर्चा अध्यक्ष नितिन सक्सेना, जिला कार्यालय प्रभारी देवदत्त शर्मा, पूर्व पालिकाध्यक्ष शम्भू पासवान, कविता शाह, पार्षद शिव कुमार गौतम, राजेश दिवाकर, वीरेन्द्र रमोला, विजेंद्र मोंगा, मानवेन्द्र कंडारी, शिवम टुटेजा, विनोद भट्ट, राधे जाटव, मनोज गर्ग, रविन्द्र बिरला, प्रधान सागर गिरी, रजनी बिष्ट, पुनीता भंडारी, माया घले आदि उपस्थित रहे।

बाबा का धाम धार्मिक आस्था का केंद्र : सांसद रवि किशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भोजपुरी सुपरस्टार और गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन इन दिनों नैनीताल में हैं. इस बीच उन्होंने कैंची धाम पहुंच बाबा नीम करौली महाराज के दर्शन किए. उन्होंने बताया कि उनका नैनीताल पहली बार आना बाबा नीम करौली महाराज जी की आज्ञा से ही हुआ है. इसके साथ रवि किशन ने कहा कि उन्होंने हमेशा से बाबा की महिमा के बारे में सुना था, लेकिन अचानक अब उन्हें बाबा के धाम पहुंचने का अवसर मिला है और यहां दर्शन कर वह काफी खुश हैं.

बीजेपी सांसद रवि किशन ने कहा कि बाबा का धाम धार्मिक आस्था का केंद्र है, जहां आकर मन बेहद शांत हो जाता है. उन्होंने कहा कि यह बाबा की ही महिमा है जो विश्व के सबसे होनहार बल्लेबाज विराट कोहली आज अपनी फॉर्म में वापस लौटे हैं. साथ ही बताया कि उन्होंने बाबा नीम करौली महाराज जी धाम पहुंचकर अपने भाई के स्वस्थ होने की कामना की है.

पिछले साल नवंबर में आए थे विराट और अनुष्का

बता दें कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा अपनी बेटी वामिका के साथ पिछले साल नवंबर में नैनीताल आए थे. यहां उन्होंने 6 दिन बिताए थे. नैनीताल आने के अगले दिन वे कैंची धाम पहुंचे और नीम करौली बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद मांगा. इसके अलावा विराट और अनुष्का ने मुक्तेश्वर समेत आसपास की कई जगहों पर अपनी छुट्टियां बिताई थीं.

आपको बता दें कि बाबा नीम करौली महाराज के भक्तों में काफी नामी गिरामी हस्तियां शामिल हैं, जिनमें फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग और एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स का नाम भी आता है. कहते हैं कि जब यह दोनों बाबा के दर्शन को आए थे, तब इनकी जिंदगी आम आदमी की तरह मुश्किलों से घिरी थी. बाबा के आशीर्वाद से उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई. वहीं, प्रसिद्ध लेखक रिचर्ड अल्पर्ट ने भी अपनी किताब मिरेकल ऑफ लव में बाबा नीम करौली महाराज का जिक्र किया है, जिसमें उनके द्वारा किए गए चमत्कारों के बारे में बताया गया है. माना जाता है कि कैंची धाम में बाबा के चमत्कार आज भी होते हैं.

ये है दुनिया की सबसे शानदार नौकरी का ऑफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , हर किसी की ये ख्वाहिश होती है कि उसे कोई ऐसी नौकरी मिले जिसमें पैसों के साथ साथ तमाम सुख सुविधाएं भी हों. अगर किसी को बड़े सैलरी पैकेज वाली जॉब मिल भी जाती है तो इसके साथ ही भारी वर्कलोड भी होता है. लेकिन क्या आपने एक ऐसी ड्रीम जॉब के बारे में सुना है जिसमें लाख डॉलर की सैलरी के साथ एक आइसलैंड पर फुल मनोरंजन और अन्य सभी सुविधाएं भी मिलें ?

अगर नहीं सुनी तो अब इसके बारे में जान लीजिए. दरअसल, संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में एक आइसलैंड ब्रांड एंबेसडर की तलाश है. इस जॉब में इतना कुछ मिलेगा कि इसे 'दुनिया की सबसे अच्छी जॉब' कहा जा रहा है. इतनी शानदार जॉब के लिए सही उम्मीदवार खोजने को लेकर एक कॉम्पिटिशन का ऐलान भी किया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यास आइसलैंड (Yas Island) के ब्रांड एंबेसडर को 100,000 डॉलर की सैलरी के साथ अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी. इन सुविधाओं में एक लग्जरी होटल में ठहरने और यास आइसलैंड में एक्सक्लूसिव वर्ल्ड क्लास मनोरंजन अनुभव शामिल हैं.

कॉम्पिटिशन यास आइसलैंड के सीआईओ (चीफ आइसलैंड ऑफिसर) केविन हार्ट द्वारा शुरू की गई है. 9 जनवरी से शुरू होने वाले आवेदन की अंतिम तिथि 23 जनवरी रखी गई है. उम्मीदवारों को अपने वीडियो आवेदन hireme.yasisland.com पर भेजने के लिए आमंत्रित किया गया है. 26 जनवरी तक जूरी 5 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करेंगे. 'दुनिया की सबसे अच्छी जॉब' के लिए विजेता की घोषणा 3 फरवरी को की जाएगी...

इस कॉम्पिटिशन में विजेता को 100,000 डॉलर का इनाम मिलेगा. इसके साथ ही अबू धाबी के लिए बिजनेस क्लास की फ्लाइट के अलावा 60 दिनों के लिए W Abu Dhabi Yas Island के फैबुलस सुइट में रहने की सुविधा मिलेगी. ब्रांड एंबेसडर को स्पा और होटल में शानदार डाइनिंग एक्सपीरियंस हासिल करने का मौका भी दिया जाएगा. इस जॉब से संबंधित एक एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए एंबेसडर अपने स्टे के दौरान एक लग्जरी कार में सवारी करेंगे और फॉर्मूला 1 ट्रैक पर फॉर्मूला यास 3000 ड्राइविंग अनुभव भी प्राप्त करेंगे. विजेता को यास लिंक्स गोल्फ पैकेज में 60 दिन की क्लब मेंबरशिप मिलेगी...

सावधान ! अब नहीं चल सकेंगी 15 साल पुरानी सरकारी गाड़ियां

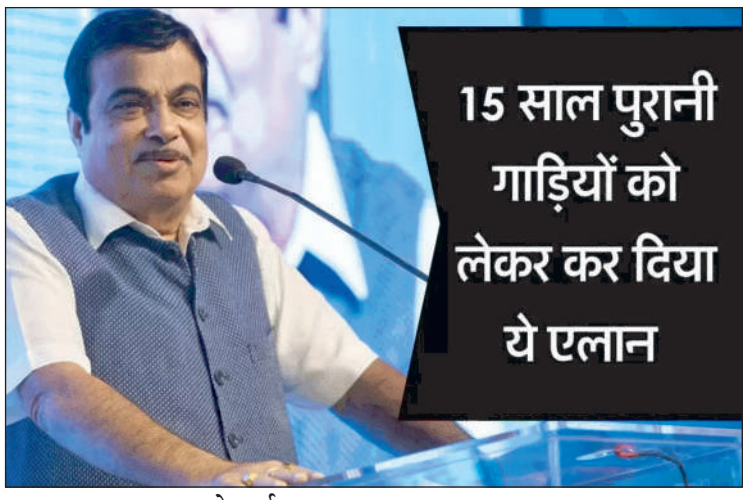

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , जी हाँ सही पढ़ा आपने , इन वाहनों के पंजीकरण के नवीनीकरण पर केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय ने रोक लगा दी है। इस बाबत केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में कहा गया है कि ऐसी गाड़ियां जिनके पंजीकरण को पूर्व में मंजूरी दी गई है और वे पंद्रह साल की आयु सीमा पूर्ण कर चुकी है, उनका पंजीकरण भी खुद ही समाप्त हो जाएगा। इसके दायरे से सेना की गाड़ियों को बाहर रखा गया है।

अधिसूचना में प्रावधान किया गया है कि 15 साल पुराने सरकारी वाहनों का निपटारा संशोधत मोटर यान नियम 2021 के तहत किया जाएगा। इस बाबत परिवहन मंत्रालय के अपर सचिव महमूद अहमद ने अधिसूचना जारी की है। इसमें बताया गया है कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के नियम 52 क में इस व्यवस्था के लिए प्रावधान किया गया है। इसके तहत सरकारी एजंसियां जैसे केंद्र सरकार, राज्य सरकार, संघ शासित प्रदेश, सार्वजनिक उपक्रम या

सार्वजनिक उपक्रम के तहत आने वाले केंद्रीय व राज्य सरकार के निकायों पर यह अधिसूचना लागू होगी।यह नियम देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयोग होने वाले विशेष वाहन (बख्तरबंद और अन्य विशेष वाहन) पर लागू नहीं होगा। नई व्यवस्था को लागू करने के लिए केंद्र सरकार ने केंद्रीय मोटर यान नियम 1988 में संशोधन किया है। इसके प्रारूप को पहले सार्वजनिक किया गया था और आम जनता व संबंधित एजंसियों से भी रायशुमारी की गई थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने सरकारी विभागों में 15 साल पुरानी गाड़ियां प्रयोग नहीं करने का निर्णय किया है।

काम की बात : होम लोन जल्दी चुकता करने के ये हैं 4 आसान फार्मूले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , हर साल कुछ किस्त ज्यादा भरी जाए यानि किस्त के अमाउंट के बराबर रकम लोन खाते में भर दी जाए ताकि लोन के प्रिंसिपल अमाउंट को कम किया जा सके. लोन लेना चाहिए या नहीं. कई बार लोन जरूरत की वजह से लिया जाता है. कई बार लोन टैक्स बचाने की नीयत से लिया जाता है. दोनों ही सूरत में लोन चुकाने में ब्याज देना होता है. पर्सनल लोन का ब्याज प्रतिशत ज्यादा होता है और इससे भी ज्यादा होता है क्रेडिट कार्ड से लोन लेना और उसे चुकता करना. सभी लोन को चुकाने का समय भी अलग-अलग होता है. सबसे लंबा समय जो लोन चलता है वह होम लोन होता है. बैंकों के लिए यह लोन सीक्योर लोन होता है. क्योंकि लोन लेने के समय मकान पर मालिकाना हक बैंक का हो जाता है और बैंक को पास मकान से जुड़े सर्वाधिकार हो जाते हैं. लोन चुकता न कर पाने की सूरत में बैंक अपने अधिकारों का प्रयोग करता है.

होम लोन को आसानी से उतारने के कुछ फॉर्मूला हैं. अमूमन लोग होम लोन 20-21 साल के लिए लेते हैं. ये बड़ा इत्तेफ़ाक है कि ज्यादातर लोगों का लोन इस समय अवधि के लिए होता है. यह अलग बात है कि इस समय अवधि को लेने वाला अपनी सहूलियत के हिसाब से कुछ साल आगे पीछे कर सकता है. होम को जल्दी समाप्त

करने के लिए ज्यादातर जानकार कहते हैं कि आप लोन समय से पहले खत्म करने के लिए अपने रेगुलर इंस्टालमेंट (ईएमआई) के अलावा कुछ रकम ज्यादा दें ताकि प्रिंसिपल से यह रकम जल्द से जल्द कम हो. कुछ लोगों का कहना है कि हर साल कुछ किस्त ज्यादा भरी जाए यानि किस्त के अमाउंट के बराबर रकम लोन खाते में भर दी जाए ताकि लोन के प्रिंसिपल अमाउंट को कम किया जा सके.

इसे इस प्रकार समझा जा सकता है... आंकड़ा कुछ हेरफेर संभव है लेकिन मोटा-मोटा ऐसा ही फॉर्मूला मिलता है. यहां पर केवल आपको समझाने के इरादे से यह जानकारी दी जा रही है.

अच्छा है कि आप अपने पास किसी जानकार से राय लेकर एक बेहतर फॉर्मूला तय करें क्योंकि फॉर्मूला तय करने में आपकी मासिक कमाई और बचत काफी अहम रोल अदा करते हैं. हर परिवार या व्यक्ति अपना खर्चा और खर्चे करने की आदत होती है.

1. अगर आप लोन बैलेंस का 5 प्रतिशत हर साल ज्यादा जमा करते हैं तो आप 20 के लोन को 12 साल में ही समाप्त कर सकते हैं. कारण यह है कि जब आप लोन लेते हैं तब से लेकर कुछ ही सालों में आपकी आय बढ़ चुकी होती है. लेकिन अधिकतर लोग इस बढ़ी आय का हिस्सा लोन को चुकाने में नहीं लगाते हैं. 2. अगर आप हर साल एक अधिक ईएमआई के जितना पैसा खाते में जमा करते हैं तो आप इसी 20 साल के लोन को 17 साल में खत्म कर सकते हैं.3. यदि कोई भी लेनदार बैंक से बात करके अपनी ईएमआई को 5 प्रतिशत से बढ़ा लेता है तो वह इसी 20 साल के लोन को 13 साल में पूरा कर लेगा.4. अगर आप 10 प्रतिशत के हिसाब से ईएमआई को बढ़ा लेते हैं तो आप 10 साल में लोन खत्म करते हैं.यह फॉर्मूला देखकर और जानकार लोन लेने वाले को लोन चुकता करने का रास्ता जरूर दिख गया होगा. वैसे यह फॉर्मूला केवल समझ के लिए दिया गया है. यह ब्याज दर और लोन की समयावधि पर निर्भर करता है कि लोन कितना जल्दी समाप्त होगा.

देश में क्यों बढ़ रहे मिसकैरेज के मामले, जानें कारण, लक्षण और बचाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , आज हम आपको बताते बता रहे हैं कि .क्या होता है मिसकैरेज ? गर्भपात या मिसकैरेज 20 सप्ताह के गर्भ से पहले गर्भावस्था का नुकसान है। अधिकांश गर्भपात प्रेगनेंसी के फर्स्ट ट्राइमेस्टर में होते हैं। साधारण भाषा में समझा जाए, तो जब बच्चा गर्भ में ठहर नहीं पाता है तो इसे मिसकैरेज कहते हैं। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार ज्यादातर मामले में भ्रूण में असामान्य क्रोमोजोम्स पाया जाना गर्भपात का कारण होता है। जब भ्रूण में बहुत कम या बहुत ज्यादा क्रोमोजोम्स पाए जाते हैं तो मिसकैरेज के चांसेस सबसे ज्यादा होते हैं। इसके अलावा भ्रूण में खून और पोषक तत्वों की कमी, कमजोर गर्भाशय, इंफेक्शन, सेक्सुअल ट्रांसमिशन डिजीज ,पीसीओएस या कई बार फूड प्वाइजनिंग के कारण भी मिसकैरेज हो सकता है।

ऐज फैक्टर

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मिसकैरेज के मामले सबसे ज्यादा 40 साल से ज्यादा की महिलाओं में देखे जाते हैं। कई बार तो महिलाओं का मिसकैरेज उन्हें प्रेगनेंसी का पता चलने से पहले ही हो जाता है। बढ़ती उम्र महिलाओं के मिसकैरेज का एक कारण हो सकती है। 30 साल की उम्र में 10 में से एक महिला का मिसकैरेज होता है, जबकि 45 साल या उससे ज्यादा की उम्र में 10 से 5 महिलाएं मिसकैरेज का शिकार हो जाती है।

दर्द निवारक दवाइयों का सेवन करना

प्रेगनेंसी के दौरान कई बार दर्द निवारक दवाई जैसे- इबुप्रोफेन या नेप्रोक्सेन आदि का इस्तेमाल करना भी हानिकारक हो सकता है और यह भ्रूण के विकास पर असर डालता है और गर्भपात का कारण बनता है।

हार्मोन की कमी

गर्भ में पल रहे बच्चे की विकास के लिए हार्मोन का बैलेंस होना बहुत ज्यादा जरूरी होता है। कई बार हार्मोन इंबैलेंस हो जाने के कारण गर्भपात हो सकता है। खासकर जो महिलाएं पीसीओडी या पीसीओएस की

समस्या से परेशान रहती हैं उन्हें इसका सबसे ज्यादा खतरा रहता है।

नशीले पदार्थ का सेवन करना

प्रेगनेंसी के दौरान अगर जानबूझकर या गलती से महिलाएं धूम्रपान, शराब या किसी भी नशीली चीज का सेवन कर लेती हैं, तो इससे मिसकैरेज होने के चांसेस बढ़ जाते हैं।

गर्भपात होने के लक्षण

- मिसकैरेज होने का सबसे पहला लक्षण है ब्लीडिंग। यह कम या ज्यादा हो सकती है। वैसे तो प्रेगनेंसी के 3 महीने में ब्लीडिंग या स्पॉट होना सामान्य बात है, लेकिन अगर यह लंबे समय तक रहती है तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेने की जरूरत है।- पेट के निचले हिस्से में दर्द या ऐंठन महसूस करना और लंबे समय तक इसे बने रहना मिसकैरेज होने का संकेत हो सकता है।- महिलाओं के प्राइवेट पार्ट से फ्लूड जैसा डिस्चार्ज होना या टिशू का निकलना या खून के थक्के निकलना यह मिसकैरेज होने की वार्निंग हो सकती है।

मिसकैरेज से बचने के लिए यह सावधानी बरतें

- अगर आप मिसकैरेज के खतरे से बचना चाहते हैं तो प्रेगनेंसी से पहले आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें। यह आपकी हेल्दी प्रेगनेंसी में मददगार होता है।- प्रेगनेंसी के दौरान किसी भी प्रकार की दवा का सेवन डॉक्टर से पूछे बिना नहीं करें, क्योंकि कई बार अवैध दवाइयों का सेवन करने से गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है।- अगर आप पहले से ही किसी बीमारी जैसे- डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, थायराइड से ग्रसित है तो आपको प्रेगनेंसी के दौरान खास ख्याल रखने की जरूरत है।- डॉक्टर के कहने पर आप प्रेगनेंसी के दौरान विटामिन और फोलिक एसिड की दवाइयां जरूर लें। यह भ्रूण के विकास में मदद करता है, साथ ही आपको ताकत भी देता है।

अब आपको गलत या फर्जी रिव्यू सब्सक्राइबर जुटाना महंगा पड़ेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , Instagram Reels हों या YouTube Shorts या फिर Facebook Video और पोस्ट ही क्यों ना हों, अगर आप सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं और किसी भी तरह के प्रोडक्ट रिव्यू या गाइडेंस देकर पैसा कमाते हैं. तो अब आपको गलत या फर्जी रिव्यू करना महंगा पड़ सकता है. ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए सरकार ने सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स पर नकेल कसने का काम किया है और कड़ी गाइडलाइंस जारी की हैं. इसमें भारी जुर्माने का प्रावधान भी है. अक्सर लोग सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के झांसे में आकर अपना नुकसान कर बैठते हैं. ऐसे में कस्टमर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ये गाइडलाइंस बनाई हैं. ऐसे नियम-कायदे बनाए गए हैं जो किसी ब्रांड का प्रमोशन करने को लेकर सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स की जवाबदेही तय करेंगे.

देना होगा 50 लाख रुपये तक जुर्माना

भारत सरकार अमेरिका के फेडरल ट्रेड कमीशन (FTC) की तर्ज पर सोशल

मीडिया इंफ्लूएंसर्स के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं. ये नियम-कायदे ब्रांडिंग करने वाले सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर की जवाबदेही तय करेंगे. ब्रांड प्रमोशन करने वाले सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स को ब्रांड के साथ अपना संबंध नहीं बताने पर ₹50 लाख तक का जुर्माना देना होगा. सरकार की नई गाइडलाइंस आज से लागू हो चुकी हैं.यानी अगर कोई व्यक्ति अपनी इंस्टाग्राम रील, फेसबुक या यूट्यूब वीडियो में किसी ब्रांड का प्रमोशन करता है, उसे लेकर कोई भ्रामक जानकारी देता है, तो ब्रांड की कीमत के आधार पर उपभोक्ता कानूनों के तहत उन पर जुर्माना लगाया जाएगा.

इंफ्लूएंसर्स ऐसे बच सकते हैं जुर्माने से

अगर आप इस भारी भरकम जुर्माने से बचना चाहते हैं, तो इस गाइडलाइंस को अच्छे से समझ लीजिए. इसके मुताबिक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स को कुछ खास काम करने होंगे.सबसे पहली बात, नई गाइडलाइंस के हिसाब से सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के दायरे में फाइनेंशियल इन्फुलेंसर्स भी आएंगे, यानी ऐसे लोग जो सोशल मीडिया का उपयोग लोगों को वित्तीय सलाह देने के लिए करते हैं.अगर सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स की जानकारी गलत पाई जाती है, तो उन पर ₹50 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा.अगर सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स किसी ब्रांड का प्रमोशन करते हैं, तो उन्हें इसकी जानकारी सार्वजनिक तौर पर करनी होगी.सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स को ब्रांड के साथ उनके संबंध के बारे में अपने व्यूवर्स को जानकारी देनी होगी.अगर कोई ब्रांड प्रमोशन के लिए आपको पैसे देता है. प्रोडक्ट, गिफ्ट या डिस्काउंट देता है तो आपको इस बार्टर सिस्टम की जानकारी भी देनी होगी.

आम आदमी का होगा काफी फायदा

सरकार की इन गाइडलाइंस से आम लोगों को काफी फायदा हो सकता है. अक्सर देखा गया है कि आम लोग यूट्यूब या किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर ब्रांड के बारे बताई जानकारी को सच मान लेते हैं. वो मान लेते हैं कि सामने वाला व्यक्ति अपने अनुभव के आधार पर सच ही बोल रहा होगा, पर कई बार ये पेड प्रमोशन होता है.

मौलाना मज़हरुल हक़ : प्रेरणा और नेकनीयती का एक मुकम्मल इतिहास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , भारत को आज़ादी यूं हीं नहीं मिल गई. इसके लिए न जाने कितने स्वतंत्रता सेनानियों ने तन, मन धन से खुद को समर्पित कर दिया. तब जाकर हमारा देश ब्रिटिश साम्राज्य की 200 साल गुलामी के बाद आज़ादी की सांस ले सका. ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि हम उन आज़ादी के सिपाहियों को याद करें.उन्हीं में एक नाम आज़ादी के सिपाही मौलाना मजहरुल हक भी हैं. जब बिहार के लोग भूख से तड़प रहे थे तब मौलाना उनके हमदर्द बने. देश के लिए अपनी 16 बीघा जमीन दान दे दी थी. इतिहासकारों के मुताबिक, मौलाना मजहरुल के घर पर महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस जैसे कई क्रांतिकारी आया करते थे.

कौन थे मौलाना मजहरुल हक़ ?

मौलाना मजहरुल हक 22 दिसंबर 1866 को बिहार के पटना जिले में पैदा हुए. इनके पिता शेख़ अहमदुल्लाह एक ज़मींदार थे. जिसकी वजह से मौलाना के पास काफी जमीन व जायदाद थे. धनी परिवार में जन्मे मजहरुल को बचपन में हर वो ख़ुशी अता हुई जो उनकी ख्वाहिशों की फ़ेहरिस्त हुआ करती थी. मौलवी सज्जाद हुसैन ने उनके घर पर ही उन्हें प्राथमिक शिक्षा दी. आगे उन्होंने 1886 में पटना कॉलेज से मैट्रिक की तालीम पूरी की. इस दौरान वो सामाजिक कार्यों में रूचि लेने लगे थे. मजहरुल ने आगे की पढ़ाई के लिए लखनऊ के कैनिंग कॉलेज में दाखिला ले लिया. लेकिन वकालत के लिए बीच में ही पढ़ाई छोड़ इंग्लैंड चले गए.उसी दौरान महात्मा गांधी भी इंग्लैंड में कानून की पढ़ाई कर रहे थे. यहीं इनकी मुलाकात गांधी जी से हुई थी. वे दोनों आपस में कई सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर बातचीत किया करते थे. साल 1891 में इंग्लैंड से वकालत की पढ़ाई पूरी करने के बाद वापस पटना चले आए. यहां उन्होंने वकालत की प्रैक्टिस शुरू कर दी. उस दौरान वो अपने मालिकाना हक से कई सामाजिक कार्यों को भी अंजाम देने लगे थे. साल 1897 में जब बिहार अकाल की त्रासदी से कराह रहा था. वहां के लोग गरीबी के कारण भुखमरी का शिकार होने लगे थे. ऐसी स्थिति में मौलाना मजहरुल हक उनके हमदर्द बने. राहत कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया.

देशहित में दान कर दी 16 बीघा जमीन

मौलाना मजहरुल हक आज़ादी की क्रांति में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे थे. उस दौरान देश के कई महान स्वतंत्रता सेनानियों से इनकी लगातार मुलाकात होती रही. मौलाना देश को आज़ाद कराने के लिए अपना सब कुछ त्याग करने को तैयार थे. जब महात्मा गांधी के द्वारा 'खिलाफत' व 'असहयोग आंदोलन' शुरू किया गया. तो मौलाना मजहरुल हक ने अपनी वकालत व मेंबर ऑफ इंपीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल का पद त्याग कर पूरी तरह स्वतंत्रता संग्राम में कूद गए.आंदोलन को सुचारू रूप से चलाने के लिए 1920 में उन्होंने अपनी 16 बीघा जमीन दान कर दी थी. जहां, क्रांतिकारियों द्वारा देश की आज़ादी के लिए रणनीतियां तैयार की जाती थीं. जिनमें महात्मा गांधी, डा0 राजेंद्र प्रसाद, सुभाष चंद्र बोस, खुदीराम, सरोजिनी व नरीमन जैसे महान सेनानियों का नाम शामिल है.

मुर्गों का बॉस है ये ड्रैगन चिकन दाम है 1.5 लाख से ज्यादा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , पूरी दुनिया में चिकन खाने वालों की बड़ी संख्या है. समय के साथ साथ तो चिकन की नई नई किस्में भी सामने आने लगी हैं. जैसे कि भारत में कड़कनाथ मुर्गा काफी फेमस हो रहा है. काले रंग के इस मुर्गे के अंडे भी सफेद की जगह काले होते हैं. इसका एक किलो चिकन बाजार में हज़ार रुपये से भी ज्यादा के दाम पर बिकता है.

लेकिन हम यहां कड़कनाथ की बात नहीं करने वाले. हम यहां बात करेंगे चिकन की एक ऐसी नस्ल की जिसे देख आप हैरान रह जाएंगे. इसके शरीर और पैरों को देखते हुए इसे ड्रैगन चिकन नाम दिया गया है. ये चिकन की एक खास ब्रीड है. ले वान हिएन नामक शख्स चिकन की इस खास ब्रीड को पालने का काम करता है. हिएन वियतनाम की राजधानी हनोई के करीब एक फार्म चलाते हैं. 'ड्रैगन चिकन' नामक इस खास चीकन ब्रीड की टांगें ईंट जैसी मोटी होती हैं. इस खास चिकन का दाम भी बहुत खास है. एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार इस नस्ल के एक मुर्गे की अधिकतम कीमत करीब 2000 डॉलर यानी 1,63,575 तक भी हो सकती है. इस चिकन ब्रीड का एक नाम डोंग ताओ भी है. चिकन का ये नाम इसलिए रखा गया क्योंकि इसे उत्तरी वियतनाम के इसी नाम वाली जगह पर पाला जाता है. यह चिकन वियतनाम के लूनार न्यू ईयर पर परोसा जाता है. इंटरनेशनल मार्टेक में भी इसकी काफी डिमांड है.

उबालकर, फ्राई कर या फिर लेमनग्रास के साथ परोसे जाने वाले इस चिकन का वजन सामान्य चिकन से काफी ज्यादा होता है. इसे पालने वाले हिएन के मुताबिक उनके फार्म में जो ड्रैगन चिकन हैं, उनमें से एक का वजन 4 किलोग्राम था, जिसे उन्होंने लगभग 150 डॉलर में बेचा था. उनका कहना है कि इस मुर्गे का ज्यादातर वजन उसके पैर में होता है. डोंग ताओ चिकन का सबसे अच्छा हिस्सा उनके पैरों की त्वचा है. इनके पैर जितने बड़े होते हैं, खाने में उतने ही स्वादिष्ट लगते हैं. हिएन ने बताया कि उन्होंने इनमें से कुछ मुर्गों को ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भी भेजा है. खाने कि बात करें तो इनकी खुराक में मकई और चावल प्रमुखता से शामिल होते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक डोंग ताओ उर्फ ड्रैगन चिकन का वजन तकरीबन 10 किलो तक पहुंच सकता है. इसकी खास बात ये है कि इसके मीट में फैट बहुत कम होता है. इसके साथ ही ये सख्त और चबाने वाले मीट के तौर पर जाना जाता है.

सेहत की सलाह : माइग्रेन के क्या लक्षण हैं और क्या होता है माइग्रेन

यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , माइग्रेन बीमारी से आज बहुत-सी महिलाएं जूझ रही हैं। माइग्रेन को आधासीसी दर्द भी कहते हैं। वैसे तो माइग्रेन के पीछे के कारण अभी तक सामने नहीं आए हैं पर फिर भी मान्यतानुसार माइग्रेन बीमारी का सीधा मतलब आपकी दिनचर्या से है। दिनचर्या बिगड़ने से अक्सर माइग्रेन बीमारी जन्म लेती है। सोने-उठने का समय गड़बड़ाना, नींद न पूरी होना, तनाव होना, कुछ ऐलर्जिक खाना-पीना आदि सबसे माइग्रेन का दर्द शुरू हो जाता है। आइए जाने माइग्रेन क्या है और माइग्रेन से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है। हालांकि माइग्रेन को वंशानुगत बीमारी का दर्जा भी दिया जाता है।

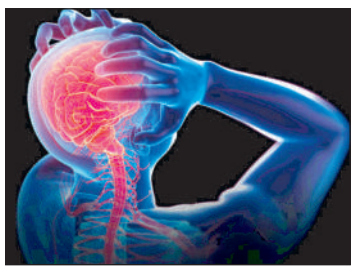

माइग्रेन एक तरह का सिर दर्द है जो धीरे-धीरे सिर के एक तरफ़ से उठकर आधे सिर तक छा जाता है। यह कुछ घंटे से लेकर पूरे एक दिन और कई बार एक दिन से ज़्यादा रहता है। यह बहुत तीव्र सिर दर्द है जिसमे व्यक्ति की स्थिति कुछ करने लायक़ नहीं रहती। विशेषज्ञों की माने तो ये पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक होता है। कभी-कभी माइग्रेन इतना असहनीय हो जाता है कि महिलाएं पेन किलर लेनी शुरू कर देती हैं।

अगर आपको भी नीचे दिए गए लक्षण दिख रहे हैं तो समझ लीजिये आपको माइग्रेन परेशान कर रहा है ----

क़ब्ज़ होना : पेट में क़ब्ज़ की शुरूआत माइग्रेन का लक्षण है। माइग्रेन शुरू होने से पहले पेट में क़ब्ज़ शुरू हो जाता है। शोर

सहन न होना : किसी भी तरह का शोर बर्दाश्त नहीं होता। शांति में रहने का मन करता है।

रौशनी या लाइट से दिक्क्त : लाइट बंद करने का मन करता है। रोशनी में जाने से व्यक्ति बचता है।

जी मिचलाना या उल्टी आना : उल्टी आने की इच्छा होती है। कई बार उल्टी आ जाती है।

कंधों में जकड़न : ऐसा लगता है जैसे कंधे पूरी तरह जकड़ गए हैं। कंधों और उसके पास के हिस्से में प्रतिक्रिया नहीं लगती।

बार-बार जम्हाई आना : ज़बरदस्त जम्हाई आती हैं। लेटने की इच्छा होती है।

भूख न लगना : खाने-पीने की कोई इच्छा नहीं होती। कुछ लोगों में मीठा खाने का मन होता है। कुछ लोगों में माइग्रेन की शुरूआत 'औरा' से होती है। औरा का संबंध एक तरह से नर्वस सिस्टम से जुड़ा है। औरा के दौरान चकाचौंध-सा महसूस होता है या

आंखों के आगे अंधेरा छा जाता है। हाथ-पैरों में सुई चुभने जैसा, चेहरे या शरीर के एक तरफ़ा हिस्से में कमज़ोरी महसूस होना या कुछ बोलने में दिक्कत महसूस होती है।हालांकि माइग्रेन के लक्षण व्यक्ति दर व्यक्ति बदलते रहते हैं। पर फिर भी माइग्रेन का दर्द असहनीय होता है। ज़रूरी है आप अपनी दिनचर्या सही रखें। पेट को साफ़ रखें और तनाव न रखें। इसके साथ ही फलों के रस का सेवन अच्छा है। माइग्रेन में पेन किलर लेने की भूल न करें। पेन किलर लेना आपकी आदत बन सकती है और इसका लॉग टर्म असर अच्छा नहीं होगा।

संपादकीय

बजट में सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देना जरूरी

बजट की घंटी बज गयी है. सरकार और रिजर्व बैंक की तरफ से जो कुछ कहा जा रहा है वह अर्थव्यवस्था के वाह-वाह वाला ही है. नौ बजट में सूखा रहने के बाद भारतीय मध्य वर्ग इस बार सरकार से कर राहत समेत कई तरह के लाभ चाहता है. नौ राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव सरकार को भी सख्ती न करने के लिए मजबूर कर रहा है. इस वाह वाह की खास बात यह है कि इस वर्ष दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकोले खा रही है, अमेरिका व यूरोप तक को होश नहीं है. पूरे कोरोना काल में मौज कर रहा चीन भारी संकट में है, उसकी अर्थव्यवस्था इस बार भारत से खराब रह सकती है. लेकिन दूसरा पक्ष यह है कि खुद हमारी अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर आती है, तो तीन बुरी. यूक्रेन युद्ध के दुष्प्रभावों का खतरा भी अभी टला नहीं है. फिर तेल की कीमतें अभी जिस स्तर पर हैं उतने पर रुकी नहीं रहेंगी. उसका उतार-चढ़ाव हमारे ऊपर बड़ा असर डालेगा. भूमंडलीकरण के इस दौर में हम विश्व अर्थव्यवस्था के अच्छे-बुरे प्रभावों से अछूते नहीं रह सकते. इसका सबसे बड़ा प्रमाण हमारा गिरता निर्यात है, क्योंकि दुनियाभर में मांग कम हुई है. यूक्रेन युद्ध की वजह से अनाज की मांग बढ़ी थी जो अब वापस मंदी पर आ गयी है. दूसरी तरफ हमारा आयात कम होने का नाम नहीं ले रहा, उसमें बहुत ज्यादा कमी की गुंजाइश भी नहीं रह गयी है. दिसंबर 2022 के आंकड़े बताते हैं कि पिछले वर्ष की तुलना में हमारा निर्यात 12 फीसदी कम हुआ है. दो वर्ष में यह सबसे बड़ी गिरावट है. तेल के आयात का बिल कम होने से आयात में तीन फीसदी की कमी आयी है, लेकिन चालू खाते का कुल व्यापार घाटा बढ़ता जा रहा है. जानकार मानते हैं कि यह जीडीपी के 4.4 फीसदी तक जा सकता है. इसमें अगर केंद्र और राज्य सरकारों के राजकोषीय घाटे को जोड़ दें, तो यह 10 से 11 फीसदी तक चला जायेगा. यदि अर्थव्यवस्था इतने घाटे में होगी, तो सरकार को हाथ बांधने ही होंगे. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मुट्ठी अगर लगातार कसती जा रही है तो उसकी वजह यही है. ऐसे में हम उनसे मध्य वर्ग के लिए उदार या लोकलुभावन बजट की उम्मीद न ही करें, तो बेहतर होगा. सरकार और वित्त मंत्री जरूर महंगाई के आंकड़ों में लगातार कमी से कुछ राहत महसूस कर रही होंगी. थोक मूल्य सूचकांक जो पंद्रह फीसदी तक चला गया था, अब वह पांच फीसदी के नीचे आ गया है जिसे कम तो नहीं माना जा सकता, लेकिन वह बेचैनी वाली हालत का संकेत नहीं देता. हालांकि खुदरा मूल्य सूचकांक अभी भी छह फीसदी से ज्यादा नीचे नहीं है, जो खतरे का स्तर माना जाता है. रिजर्व बैंक द्वारा तय रेट तो चार फीसदी का ही है, लेकिन इधर बैंक द्वारा ब्याज की दरें बढ़ाने से मुद्रास्फीति कम हुई है. यह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी सूचना है, लेकिन सरकार के लिए बुरी. बुरी इस मायने में कि इससे रिजर्व बैंक की अपनी कमाई और बचत में भारी कमी आयी है तथा उसका मुनाफा घटा है. इस चलते वह सरकार को मोटा बोनस देने की स्थिति में नहीं होगा. दो वर्ष पहले उसने सरकार को एक लाख करोड़ के करीब मुनाफा दिया था और सरकार ने उसके रिजर्व खाते से इससे भी ज्यादा रकम ले ली थी. पिछले वर्ष यह बोनस तीस हजार करोड़ से कुछ ही ऊपर गया था, इस बार इसके और नीचे जाने का अनुमान है.

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

देर रात तक जागने से कमजोर इम्यूनिटी का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , तापमान में हल्की गिरावट भी इम्यूनिटी को 50 प्रतिशत तक घटा देती हैं। इसका असर नाक पर सर्वाधिक होता है। यही कारण है कि ठंड के मौसम में सर्दी, जुकाम जैसे संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ते हैं। ऐसे में इनसे बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी इम्यूनिटी को बढ़ाना और उसे बनाए रखना है। पर्याप्त नींद के साथ ही यदि हेल्दी डाइट, शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त पानी और फिजिकल एक्टिविटी को बनाए रखा जाए तो इम्यूनिटी को मजबूत रखा जा सकता है।

जवाब. बार-बार बीमार पड़ना, बार-बार कोई इन्फेक्शन होना (फेफड़ों , आंतों का या त्वचा का इन्फेक्शन), वजन कम होना, लिवर तिल्ली और लिम्फ नोड्स का बढ़ जाना या इम्युनोग्लोबुलिन का कम हो जाना कमजोर इम्यूनिटी के लक्षण हैं।सवाल. कौन-कौन-से व्यायाम हैं, जिन्हें करने से इम्यूनिटी बढ़ती है?जवाब. प्रतिदिन 30 से 45 मिनट पैदल घूमना, योग करना या किसी भी तरह का स्पोर्ट्स खेलने से इम्यूनिटी बढ़ती है।सवाल. क्या नींद का इम्यूनिटी से भी संबंध है। एक स्वस्थ व्यक्ति को कितने घंटे की नींद लेनी चाहिए?जवाब. रिसर्च से पता चला है कि नींद का इम्यून सिस्टम से गहरा संबंध है। एक स्वस्थ व्यक्ति को 7 से 8 घंटे की नींद अवश्य लेना चाहिए जो लोग रात को देर तक जगे रहते है उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है।सवाल. अच्छी इम्यूनिटी के लिए खानपान में कौन-सी चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए?जवाब. कोई विशेष प्रकार के खाने से इम्यून सिस्टम नहीं सुधरता। एक बैलेंस्ड फूड ज़रूर फायदा पहुंचाता है। घर का हिंदुस्तानी ख़ाना श्रेष्ठ है।सवाल. रोजमर्रा की ऐसी कौन-सी आदतें हैं जो इम्यूनिटी को कमजोर करती हैं। ऐसे ही कौन सी आदतें इम्यूनिटी के लिए अच्छी होती हैं?जवाब. देर तक जागना, शराब और धूम्रपान करना और नकारात्मक सोच ये सब इम्यून सिस्टम को कमजोर करते है। बैलेंस्ड फूड, व्यायाम, योग, पर्याप्त नींद ये सब इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं।

सोशल साइट्स पर रोज 7 घंटे बिताते हैं भारतीय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , दुनिया की आबादी 8 अरब पार कर चुकी है। इनमें से 5.3 अरब इंटरनेट यूजर्स हैं। सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या सबसे ज्यादा चीन में है। लेकिन, पूरी दुनिया में सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा टाइम बिताते हैं हम इंडिया वाले। अपनी भूख, प्यास, नींद और रिश्तों को दरकिनार कर हमने कम से कम इस मामले में अमेरिका और चीन को पीछे छोड़ दिया है।

अमेरिका-ब्रिटेन वालों के 7 सोशल मीडिया अकाउंट्स, भारतीयों के 11

रिसर्च फर्म 'रेडसियर' के मुताबिक इंडियन यूजर्स हर दिन औसतन 7.3 घंटे अपने स्मार्टफोन पर नजरें गड़ाए रहते हैं। इसमें से अधिकतर टाइम वे सोशल मीडिया पर बिताते हैं। जबकि, अमेरिकी यूजर्स का औसतन स्क्रीन टाइम 7.1 घंटे और चीनी यूजर्स का 5.3 घंटे है। सोशल मीडिया ऐप्स भी इंडियन यूजर्स ही सबसे ज्यादा यूज करते हैं। अमेरिका और ब्रिटेन में एक इंसान के औसतन 7 सोशल मीडिया अकाउंट्स हैं, जबकि एक भारतीय कम से कम 11 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद है।

70 फीसदी लोग बिस्तर पर जाने के बाद भी मोबाइल चलाते हैं

रिसर्च बताती हैं कि स्क्रीनटाइम जितना ज्यादा होता है, लोग सोशल मीडिया जितना ज्यादा यूज करते हैं, उनकी मेंटल हेल्थ उतनी ही ज्यादा खराब हो जाती है। वे एंग्जाइटी और डिप्रेशन के अलावा और कई गंभीर डिसऑर्डर्स के शिकार हो जाते हैं। ज्यादा स्क्रीनटाइम सोशल मीडिया की लत लगा देता है। रिसर्च जर्नल PubMed के मुताबिक 70 फीसदी लोग बिस्तर पर जाने के बाद भी मोबाइल नहीं छोड़ते और सोशल मीडिया पर बिजी रहते हैं।

वजन घटाने के लिए अच्छी है यह ड्रिंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जनवरी , वजन घटाने में जद्दोजहद तो करनी पड़ती है लेकिन कुछ आदतों को जीवनशैली का हिस्सा बना लिया जाए तो यह काम आसान हो जाता है. डाइट में कुछ हेल्दी फूड्स या ड्रिंक को शामिल करने और रोजाना उनका सेवन करने पर वजन घटाना आसान हो जाता है. ऐसी ही एक ड्रिंक (Weight Loss Drink) के बारे में इस लेख में बताया जा रहा है. एपल साइडर विनेगर या सेब के सिरके (Apple Cider Vinegar) को सही ढंग से पिया जाए तो यह कई हद तक पेट की चर्बी कम करने में असरदार साबित होता है. वजन कम करने के लिए सेब का सिरका सेब का सिरका सेब को फर्मेंट करके बनाया जाता है.

देखा जाए तो यह सेब का रस ही है लेकिन 2 स्टेप में होने वाली फर्मेंटिंग की प्रक्रिया के बाद इसे तैयार किया जाता है. इसे बनाने के लिए सेब को मैश करके उसमें यीस्ट और अनरिफाइंड शुगर डालकर उसका एल्कोहल बनता है जो फिर फ्रमेंट होकर एसेटिक एसिड में तब्दील हो जाता है. इसके बाद ही सेब का सिरका तैयार होता है और उसे इस्तेमाल में लाया जाता है. वजन घटाने में सेब के सिरका का सीधा सेवन नहीं किया जाता बल्कि इसे पीने का भी एक सही तरीका होता है. लेकिन, यह तरीका जानने से पहले यह पता होना जरूरी है कि सेब का सिरका किस तरह असर दिखाता है. सेब का सिरका शरीर को डिटॉक्स (Detox) करता है जिससे नुकसान पहुंचाने वाले टॉक्सिंस शरीर से निकल जाते हैं. सेब का सिरका एक लो कैलोरी ड्रिंक भी है जिसमें फैट (Fat) नहीं होता और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बेहद कम होती है. साथ ही, इसमें अनरिफाइंड शुगर होने के चलते इसे पीने पर लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस हो सकता है. एक स्टडी के मुताबिक सेब का सिरका शरीर में फैट बनने से रोकता है. इस सिरके से मेटाबॉलिज्म पर भी अच्छा असर पड़ता है. इस चलते सेब के सिरके का सेवन किया जा सकता है.

जानते हैं कितना है जोशीमठ नृसिंह मंदिर का खजाना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 जनवरी। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जोशीमठ को बचाने में जुटे हैं तो दूसरी तरफ खतरे की दरार चौड़ी और लम्बी होती जा रही है। घर , दफ्तर के बाद अब खतरा पौराणिक मंदिर पर भी मंडरा रहा है। कुदरत का कहर अब नृसिंह मंदिर परिसर पर दस्तक देने लगा है। यहां आदिगुरू शंकराचार्य के गद्दीस्थल व मठ की दरारें बढ़ रही हैं। मंदिर परिसर का एक हिस्सा धंसता चला जा रहा है। शीतकाल में आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी नृसिंह मंदिर परिसर स्थित आदि गुरु शंकराचार्य गद्दीस्थल में रहती है। यहां गद्दीस्थल की बाहरी व अंदर की दीवारों पर दरारें पड़ रही हैं।

दरारों का आकार लगातार बढ़ रहा है, जिसके चलते धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंता भी बढ़ती जा रही है। बीते दिनों जब सीएम पुष्कर सिंह धामी जोशीमठ आए थे तो उन्होंने नृसिंह मंदिर परिसर का भी जायजा लिया था। तब सीएम ने कहा था कि धार्मिक धरोहरों के संरक्षण के लिए उचित इंतजाम किए जाएंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उधर बीकेटीसी का कहना है कि खतरे की कोई बात नहीं है। पूरे क्षेत्र का विशेषज्ञों से जल्द सर्वेक्षण कराया

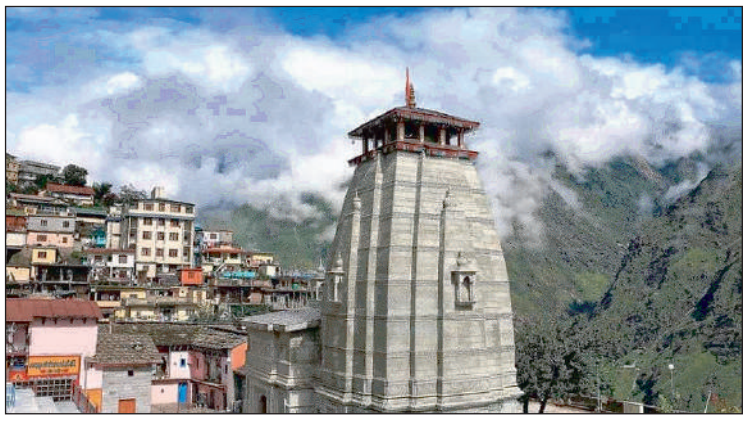

जाएगा।

मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि मंदिर व अन्य परिसंपत्तियां अभी तक पूरी तरह से सुरक्षित है। दरारों से प्रभावित जोशीमठ में स्थिति काफी नाजुक है, लेकिन नृसिंह मंदिर सुरक्षित है। उन्होंने मंदिर में मौजूद भगवान बद्रीनाथ के खजाने की सुरक्षा को लेकर भी बात की। समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि फिलहाल बद्रीनाथ का खजाना अन्यत्र शिफ्ट करने की कोई योजना नहीं है। खजाने को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने को लेकर समिति को पांडुकेश्वर से भी प्रस्ताव मिला है। समिति पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अगर जोशीमठ की स्थिति बहुत ज्यादा गंभीर हुई, तभी खजाने को अन्यत्र शिफ्ट किया जाएगा।

जोशीमठ में संकट गहराने पर इस खजाने को जोशीमठ से पीपलकोठी स्थित बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की धर्मशाला में रखा जाएगा. श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अधिकारियों संग बैठक कर पीपलकोटी स्थित मंदिर समिति की धर्मशाला का सर्वे किया था. इसके बाद खजाने को पीपलकोठी में रखने का फैसला किया गया. जोशीमठ से पीपलकोठी की दूरी करीब 36 किलोमीटर है.चार धाम यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान बदरी विशाल को सोना-चांदी, हीरे-जवाहरात के साथ साथ नकदी और कीमती सामान चढ़ाते हैं. दिवाली पर जब बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होते हैं तो यह खजाना जोशीमठ लाकर लोअर बाजार वार्ड में स्थित प्रसिद्ध नृसिंह मंदिर की समिति के कार्यालय में जमा हो जाता है.

कितना है बदरी विशाल का खजाना ?

मुख्य मुकुट- इसको हैदराबाद में बनाया गया था. बदरी विशाल के मुकुट में बेशकीमती रत्न जड़े हैं. इतना ही नहीं इस मुकुट के केंद्र में एक बड़े आकार का हीरा भी जड़ा है. बदरी विशाल साल 1962 इस मुकुट को धारण कर रहे हैं.सोने के पुराने मुकुट- बद्रीनाथ मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष भुवन चंद उनियाल ने बताया है कि मुख्य मुकुट के अलावा खजाने में पुराने सोने के मुकुट भी हैं, जो एक सदी से ज्यादा पुराने हैं.सोने का सिंहासन- इसका वजन 51 किलो है, जिसे महाराष्ट्र के एक परिवार ने दान किया था.सोने-चांदी का प्रसाद- श्रद्धालु भगवान बदरी विशाल के मंदिर में सोने-चांदी के सिक्के और गिन्नी चढ़ाते हैं. इसे प्रसाद के सामान ही माना जाता है.

श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय का कहना है कि, "वर्तमान में नरसिंह मंदिर क्षेत्र में संरक्षित प्रसाद में 35-40 किलो सोना, 45 क्विंटल चांदी और कई कीमती रत्न हैं." नृसिंह मंदिर की समिति से जुड़े लोगों ने बताया है कि सोने का सिंहासन हमेशा बद्रीनाथ मंदिर के अंदर रहता है. इसके अलावा पूरे खजाने को लगभग 45 किलोमीटर दूर जोशीमठ लाया जाता है.

26 जनवरी पर कम वोल्टेज वाले/एलईडी बल्लों से जगमगाएंगे सरकारी भवन : सोनिका, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जनवरी , जिलाधिकारी सोनिका एवं डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिलीप सिंह कुंवर ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक लेते हुए संबंधित अधिकारियों की तैनाती एवं मिनट- टू-मिनट कार्यक्रम के दौरान निर्वहन किये जाने वाले दायित्वों समझाते हुए कार्यक्रम स्थल में समुचित व्यवस्था को चॉक चौबंद बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या एवं मुख्य कार्यक्रम दिवस 26 जनवरी 2023 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए निर्देशित किया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सक्रियता से दायित्वों का निर्वहन करेंगे। कहा कि जनपद के प्रमुख राजकीय भवनों को कम वोल्टेज वाले/एलईडी बल्लों से प्रकाशमान करगें,

25 जनवरी को टाउन हॉल नगर निगम में कवि सम्मेलन के साथ ही 25 जनवरी को सायं 06 बजे से रात्रि 09 बजे तक तथा 26 जनवरी को प्रातः 06 बजे से 11 बजे तक प्रमुख चैराहों पर लाउडस्पीकर के माध्यम से देशभक्ति एवं देश प्रेम के गीत का प्रसारण करने, मुख्य कार्यक्रम स्थल पर वर्षा के दृष्टिगत समुचित तैयारियां रखने, बैरिकेटिग, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, यातायात, आदि समुचित व्यवस्थाएं संपादित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही विभिन्न विभागों की झांकियां आदि समस्त तैयारियां पूर्ण करते हुए नोडल अधिकारी झांकी से समन्वय करने के निर्देश दिए। जबकि समुचित सुरक्षा व्यवस्था एवं परेड इत्यादि को लेकर डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल, नगर मजिस्ट्रेट कुशम चौहान , कमाडेन्ट होमगार्ड राहुल सचान, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी भास्कर कुलियाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा अन्य विभागों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

जानिए कैसे मरीज दवा के खर्च पर कर सकते हैं 83% तक बचत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 जनवरी। ठंड का मौसम है , हम अक्सर लोगो से यह कहते सुनते है के हमें साँस लेने में दिक्कत हो रही है, ऐसे में हमें सेहत का ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है मौसम में आए बदलाव के कारण , दिन और रात के तापमान के बीच में भारी अंतर और अधिकांश शहरी इलाकों में धुंध और कोहरे के प्रभाव के कारण सांस की बीमारियों की समस्याएं काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में दवाओं के बाजार में भी हलचल तेज हो गई है ,और यह मौसम आमजन की जेब पर भी भारी पड़ रहा है। सांस की बीमारियों के मरीज जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल कर अपने मेडिकल बिल पर 83% तक की बचत कर सकते हैं।

बदलते मौसम के कारण सांस संबंधी बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं, ऐसे में जेनेरिक दवाओं को अपनाना मेडिकल बिलों को कम करने का अच्छा तरीका है। यदि पेशेंट अपने ब्रांडेड दवाओं के बजाय उन मॉलिक्यूल्स के जेनरिक दवाओं का इस्तेमाल करे, तो वे अपने मेडिकल बिलों में 50% से 83% के बीच की बचत आसानी से कर पाएंगे।" पिछले कुछ महीनों में, सांस की बीमारियों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की औसत बिक्री की तुलना में 60% की वृद्धि देखी गई है, जो बीमारी के बढ़ते हुए प्रभाव का संकेत है। प्रमाणित जेनरिक दवाएं अपनाकर अपनी स्वास्थ्य देखभाल के खर्चे को कम कर सकते हैं। " जेनरिक दवाओं के जरिए लोगों के हेल्थ केयर के खर्चे को कम करके उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।